पाठ - 1

मेरी भावना

आइए सीखें - ■ कविता को हाव-भाव से लय पूर्वक प्रस्तुत करना। ■ दृढ़-निश्चय, साहस आदि नैतिक मूल्यों के प्रति सजगता। ■ अनुप्रास अलंकार का ज्ञान। ■ समान उच्चरित शब्दों में अर्थ-भेद। ■ विलोम शब्दों की जानकारी।

अहंकार का भाव न रक्खूँ, नहीं किसी पर क्रोध करूँ।
देख दूसरों की बढ़ती को, कभी न ईर्ष्या भाव धरूँ॥
रहे भावना ऐसी मेरी, सरल-सत्य व्यवहार करूँ।
बने जहाँ तक इस जीवन में, औरों का उपकार करूँ॥
मैत्री भाव जगत में मेरा, सब जीवों से नित्य रहे।
दीन-दुखी जीवों पर मेरे, उर से करुणा-स्रोत बहे॥
दुर्जन-क्रूर-कुमार्गरतों पर, क्षोभ नहीं मुझको आए।
साम्यभाव रक्खूँ मैं उन पर, ऐसी परिणति हो जाए॥
गुणीजनों को देख हृदय में, मेरे प्रेम उमड़ आए।
बने जहाँ तक उनकी सेवा, करके यह मन सुख पाए॥
होऊँ नहीं कृतघ्न कभी मैं, द्रोह न मेरे उर आए।
गुण ग्रहण का भाव रहे नित, दृष्टि न दोषों पर जाए।
कोई बुरा कहे या अच्छा, लक्ष्मी आए या जाए।
लाखों वर्षों तक जीऊँ या, मृत्यु आज ही आ जाए।
अथवा कोई कैसा ही भय, या लालच देने आए।
तो भी न्याय मार्ग से मेरा, कभी न पद डिगने पाए॥
फैले प्रेम परस्पर जग में, मोह दूर पर रहा करे।
अप्रिय कटुक कठोर शब्द नहीं, कोई मुख से कहा करे॥

शिक्षण संकेत - ■ कविता की पंक्तियों को सरल, सहज प्रवाह में लय पूर्वक प्रस्तुत कीजिए। ■ कविता में आए कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाइए ■ कविता को कम से कम तीन भागों में विभाजित कर शिक्षण कीजिए। ■ कविता का हाव-भाव और लय से वाचन करवाइए।

बनकर सब युगवीर हृदय से, देशोन्नति रत रहा करें।

वस्तु स्वरूप विचार खुशी से, सब दु:ख संकट सहा करें॥

जुगल किशोर ''युगवीर''

श्री जुगल किशोर 'युगवीर' का जन्म सरसावा ग्राम जिला सहारनपुर में हुआ था। आपको संस्कृत, उर्दू, फारसी, अंग्रेजी, हिन्दी भाषाओं का ज्ञान था। बाल्यकाल से ही लेखन क्षमता के धनी थे। 'मेरी भावना' आपकी अद्वितीय कृति है। अनेक भाषाओं में इसका अनुवाद हो गया है तथा इसे प्रार्थना के रूप में स्वीकार किया गया है।

- **अगले पाठ से शब्दकोश देखना सीखिए। निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -**

अहंकार	-	करुणा	-
परिणति	-	कटु	-
देशोन्नति	-	क्षोभ	-
स्रोत	-	क्रूर	-
ईर्ष्या	-	कुमार्गरतों-	
दुर्जन-		कृतघ्न-	
द्रोह-		युगवीर-	

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. हमें जीवों के प्रति किस तरह की भावना रखनी चाहिए?

ख. 'मेरी भावना' कविता में कवि ने किन-किन पर साम्यभाव रखने की बात कही है?

ग. देशोन्नति से कवि का क्या आशय है? कवि किस तरह की देशोन्नति में सम्मिलित होना चाहता है?

2. निम्नलिखित शब्दों में से सद्गुण और दुर्गुण के लिए प्रयुक्त शब्दों की सूची अलग-अलग बनाइए-

अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, उपकार, क्रूर, प्रेम, मोह

3. निम्नलिखित भाव जिस पंक्ति में आए हों, उन पंक्तियों को लिखिए और सुनाइए-

ईर्ष्या, करुणा, लालच, कृतघ्न

4. कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

भाषा अध्ययन

1. **निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए -**

   इष्या, स्त्रोत, दुजर्न, परिणती द्रष्टी

2. **निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर अंतर स्पष्ट कीजिए।**

भाव	-	भव	रात	-	रत
बैर	-	बेर	गृह	-	ग्रह

3. **वर्ग पहेली में से नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द छाँटकर लिखिए -**

   उपकार, कुमार्ग, कृतघ्न, जीवन, अन्याय, दुःख

अ	कृ	त	ज्ञ
प	सु	मृ	त्यु
का	ख	मा	क
र	न्या	य	र्ग

4. **नीचे लिखे शब्दों को ध्यान से पढ़िए और जिन वर्णों की आवृत्ति हुई है उसे लिखिए- जैसे - सरल, सत्य 'स'**

   क्रूर, कुमार्ग ....
   गुण, ग्रहण ....
   दीन, दुखी ....
   रत, रहा ....

ध्यान दीजिए - इस प्रकार की आवृत्ति से कविता में सौन्दर्य उत्पन्न होता है। कविता में सौन्दर्य उत्पन्न करने वाले तत्वों को अलंकार कहते हैं।

अनुप्रास अलंकार -

कविता में एक या एक से अधिक वर्णों की आवृत्ति जहाँ बार-बार होती है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

- इस कविता से अनुप्रास अलंकार वाली पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए।

योग्यता विस्तार

1. सत्य और परोपकार भावना से संबंधित कोई कहानी याद कर कक्षा में सुनाइए।
2. कविता में आए नैतिक मूल्यों के बारे में चर्चा कीजिए।
3. जीवन में प्रेरणा देने वाली अन्य कविताएँ कक्षा में सुनाइए।

विद्या से विनम्रता आती है।

पढ़िए और जानिए

क. मोहन विद्यालय गया।

ख. मोहन विद्यालय जा रहा है।

ग. मोहन विद्यालय जाएगा।

इन वाक्यों में गया, जा रहा है, जाएगा आदि क्रियाएँ हैं। इन वाक्यों में क्रियाओं के होने का समय अलग-अलग है। क्योंकि -

‘गया’ - क्रिया हो चुकी है।

‘जा रहा है’ - क्रिया हो रही है।

‘जाएगा’ - क्रिया होगी।

अतः तीनों क्रियाओं का समय भिन्न-भिन्न है। अतः हम यह कह सकते हैं -

क्रिया का वह रूप जिससे उसके होने के समय का पता चलता है‘वह काल कहलाता है ’रूपान्तर को काल कहते हैं। इससे उसके कार्य व्यापार की पूर्णता अथवा अपूर्णता का पता लगता है।

काल के तीन भेद हैं -

1. भूतकाल - क्रिया का वह रूप जिससे कार्य के पूर्ण होने का पता चले, उसे भूतकाल कहते हैं। अर्थात् क्रिया की समाप्ति का बोध हो। जैसे - उसने पुस्तकें पढ़ी।
2. वर्तमान काल - अभी जो समय चल रहा है, उसे वर्तमानकाल कहते हैं। जैसे - राधा नाच रही है।
3. भविष्य काल - आने वाले समय (भविष्य में) को भविष्यकाल कहते हैं। जैसे - श्याम पाठ पढ़ेगा।

7. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं को उनके सम्मुख दिए गए निर्देश के अनुसार लिखिए -

क. सभी बच्चे खुश हैं। (भूतकाल)

ख. शब्द कोश में शब्दों के अर्थ खोजे जा सकते हैं। (भविष्यकाल)

ग. आलोक ने कई कार्यक्रमों में भाग लिया है। (भूतकाल)

घ. शब्दकोश प्रतियोगिता होगी। (वर्तमानकाल)

ङ. मैं नहीं समझ पा रहा हूँ। (भविष्यकाल)